# शिव आरती "ॐ जय शिव ओंकारा" | OM JAI SHIV OMKARA LYRICS IN HINDI

जय शिव ओंकारा हर ॐ शिव ओंकारा।

ब्रम्हा विष्णु सदाशिव अर्द्धांगी धारा ॥

ॐ जय शिव ओंकारा……

एकानन चतुरानन पंचांनन राजे ।

हंसासंन, गरुड़ासन, वृषवाहन साजे ॥

ॐ जय शिव ओंकारा……

दो भुज चारू चतुर्भज दस भुज अति सोहें।

तीनों रूप निरखता त्रिभुवन जन मोहें॥

ॐ जय शिव ओंकारा……

अक्षमाला, बनमाला, रुण्डमालाधारी ।

चंदन, मृदमग सोहें, भाले शशिधारी ॥

ॐ जय शिव ओंकारा……

श्वेताम्बर, पीताम्बर, बाघाम्बर अंगें

सनकादिक, ब्रम्हादिक, भूतादिक संगें

ॐ जय शिव ओंकारा……

कर के मध्य कमइंल चक्र, त्रिशूल धरता।

जगकर्ता, जगभर्ता, जगसंहारकर्ता ॥

ॐ जय शिव ओंकारा.....

कर के मध्य कमइंल चक्र, त्रिशूल धरता ।

जगकर्ता, जगभर्ता, जगसंहारकर्ता ॥

ॐ जय शिव ओंकारा.....

ब्रम्हा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका।

प्रवणाक्षर मध्यें ये तीनों एका ॥

ॐ जय शिव ओंकारा.....

काशी में विश्वनाथ विराजत नन्दी ब्रम्हचारी ।

नित उठी भोग लगावत महिमा अति भारी ॥

ॐ जय शिव ओंकारा.....

त्रिगुण शिवजी की आरती जो कोई नर गावें।

कहत शिवानंद स्वामी मनवांछित फल पावें ॥

ॐ जय शिव ओंकारा.....

जय शिव ओंकारा हर ॐ शिव ओंकारा /

ब्रम्हा विष्णु सदाशिव अद्धांगी धारा॥

ॐ जय शिव ओंकारा.....

H&C
HANUMAN
CHALIASA